



यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-2

“यार के साथ फोन पर मेरी चूत चुदाई की बात करती हुई मैं अपने जीजा संग रंगरेलियां मना रही थी. जीजा ने मुझे एक नई तरीका बताई मेरे यार से सेक्स चैट करते हुए चुदाई करवाने की. ...”

Story By: vandhya (vandhyap)

Posted: Tuesday, May 28th, 2019

Categories: [जीजा साली की चुदाई](#)

Online version: [यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-2](#)

यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-2

सेक्सी हिंदी कहानी के पहले भाग में आप ने पढ़ा कि मैं फोन पर आशीष के साथ चुदाई की बातों में लगी हुई थी और इधर मेरे जीजा मेरी चूत चाटने के बाद ऊपर की ओर बढ़ आये थे.

उन्होंने मेरी नाभि को चूसा और फिर मेरे चूचों को दबाते हुए मेरे टॉप को ऊपर करने लगे. मैंने एक सिसकारी ली और दूसरी तरफ आशीष उत्तेजना से भर गया.

इतनी ही देर में जीजा ने मेरा टॉप उतार कर फेंक दिया. मेरे बदन पर सिर्फ समीज बचा था जिसमें से मेरे उठे हुए दूध दिख रहे थे. जीजा ने दोनों बूब्स को उसके ऊपर से ही दबाना शुरू कर दिया. उनके दबाने से मेरे चूचों के दोनों निप्पल बाहर आ गये.

जीजा बोले- क्या मस्त माल है मेरी साली बंध्या. कितने बड़े लंड खा चुकी है तू ? बता तो सही कितनों से चुदवा चुकी है ? मैं तो शर्त लगा कर कह सकता हूँ कि तू कईयों से चुदवा चुकी है. चाहे तू बता या मत बता.

जीजा की बातों से मुझे शर्म आ रही थी.

जीजा ने मेरे गालों को चूमा और फिर मेरे होंठों को चूसने लगे. बोले- आहूह ... तेरे ये रसीले होंठ और तेरी ये नशीली आंखें तो बहुत कातिल हैं. तेरी ये सेक्सी सी नाक बहुत प्यारी है.

जीजा ने मेरी नाक को मुंह में भर लिया और चूसने लगे. मुझे सांस लेना भारी हो गया और मैं हांफने लगी.

नीचे की तरफ उनका लंड मेरी चूत के आस-पास रगड़ खा रहा था और चूत से बार-बार टकरा रहा था. मैं ना चाहते हुए भी तकिये के नीचे अपना फोन दबाने की कोशिश कर रही थी ताकि आशीष को मेरी सिसकारियां और जीजा की बातें सुनाई न दें.

मैंने जीजा को कस कर पकड़ लिया तो जीजा बोले- जब इतना मन था तो तूने मुझे पहले इशारा क्यों नहीं किया. मैं तो तेरी जम कर चुदाई कर देता.

वो मेरी नाक को चूस रहे थे. उनको मेरी नाक बहुत पसंद आ गयी थी. आशीष भी जब पहली बार मुझे मिला था तो उसको भी मेरी नाक बहुत पसंद आयी थी. उसने भी मेरी नाक को बहुत चूसा और चाटा था.

फिर जीजा ने अपने दोनों हाथों में मेरे बूब्स पकड़ लिये. उन्होंने समीज को ऊपर कर दिया और बोले- साली बंध्या, तेरे दूध तो बहुत कड़क हैं और तेरे निप्पल तो बिल्कुल गुलाबी हैं. बहुत कम लड़कियों के निप्पल ऐसे होते हैं.

उन्होंने मेरे दूधों को जोर से चूसना शुरू कर दिया और मैं तड़पने लगी. मैं यहां-वहां सिर पटकने लगी. वो कभी एक दूध को मुंह में भर लेते तो दूसरे को हाथ से दबा देते. फिर दूसरे मुंह में लेकर पहले को दबाने लगते.

फिर जीजा ने मेरे होंठों को अपने होंठों में भर लिया. उनकी सांसों मेरी सांसों के साथ मिलकर अंदर जाने लगीं.

मैंने उनको हटाते हुए कहा- जीजा, आप तो बहुत मस्त हो. अपनी साली को आज ही मसल डालोगे क्या ? मैं बहुत नाजुक सी हूं. आप जरा आराम से करो, जो भी करना है.

मैंने फोन उठा कर देखा तो आशीष अभी भी लाइन पर ही था. मैंने हैल्लो किया तो वो बोला- कहां चली गई थी तुम ?

बहाना बनाते हुए मैंने कहा- बाथरूम में चली गई थी. कुछ आवाज नहीं आ रही थी तुम्हारी तरफ से इसलिए. मैंने आशीष से झूठ बोल दिया.

वो बोला- मैं तुमको अभी चोदना चाहता हूं. मेरा बहुत मन कर रहा है तुमको चोदने का. तुम रोज की तरह मुझसे बातें करते हुए फोन से अपने आप को चुदवाओ. मुझे अपना पानी निकालना है. बहुत देर से मेरा लंड खड़ा हुआ है. इसको तुम्हारी चूत के अलावा कुछ और नहीं दिख रहा है. अब तुम फोन मत काटना.

मैं अब आशीष को मना नहीं कर सकती थी.

मैंने कहा- रुको एक मिनट. मैं अभी तुमसे बात करती हूं.

मैंने फोन को दूर करके जीजा से कहा- मेरा यार नहीं मान रहा है. अब मैं क्या करूं ?

जीजा बोले- तुम फोन को चालू रखो. मैं कुछ भी तेजी से नहीं बोलूंगा. उसको कुछ भी सुनाई नहीं देगा. तुम मुझे भी आशीष कहकर ही पुकारो. उसको कुछ भी पता नहीं चलेगा. तुम्हें बस मुझे जोर-जोर से आशीष कह कर पुकारना है.

मैंने कहा- वाह ... क्या दिमाग लगाया है जीजा आपने ? बहुत मस्त आइडिया है कि आप जीजा नहीं आशीष बन गये हो.

इतना कहकर मैंने आशीष को बोला- ठीक है जानू, अब मैं तुम्हारे साथ फोन सेक्स करने के लिए तैयार हूं.

जीजा ने धीरे से कहा- तुम उल्टी होकर मेरा लंड चूसो.

मैंने आशीष से कहा- आशीष, मैं तुम्हारा लंड चूसना चाहती हूं.

इतने में ही जीजा ने अपना लंड मेरे मुंह की तरफ कर दिया. उनके होंठ मेरी चूत की तरफ चले गये.

जैसे ही उन्होंने मेरी चूत पर अपने होंठ रखे तो मैं उछल गई. मैंने जीजा का लौड़ा अपने हाथ में पकड़ लिया और उसे निपोरने लगी. उनके लंड का सुपाड़ा जैसे ही निपोरकर मैंने अपने होंठों के पास किया तो मुझे उससे अजीब सी गंध आने लगी.

मगर मैं अभी जोश में थी तो मैंने इस बात पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया. मैं उनके लंड को

चूसने लगी. उसके अलावा मुझे कुछ और नहीं सूझ रहा था.

जैसे ही मैंने जीजा का लंड मुंह में लिया तो वो उछलने लगे और बोले- आहूह ... ऐसे तो तुम्हारी दीदी भी नहीं करती है.

इधर फोन में आशीष कह रहा था- क्या कर रही हो ?

मैंने कहा- मैं तुम्हारा लौड़ा चाट रही हूं. तुम भी मेरी चूत चाटो.

उसी वक्त जीजा ने अपनी जीभ मेरी चूत में डाल दी. मैं उछल पड़ी और जीजा के लंड को मुंह में लेकर चूसने लगी. मेरे मुंह से गूं-गूं-गूं ... की आवाज होने लगी.

आशीष बोला- वाह बंध्या, तुम तो ऐसे कर रही हो जैसे रियल में ही लंड चूस रही हो.

अब आशीष को क्या पता था कि मैं रियल में ही अपने जीजा का लंड चूसने में लगी हुई हूं.

मैं जोर-जोर से जीजा का लंड चूस रही थी तो जीजा बोले- आहूह ... रुको बंध्या, लंड को बाहर निकालो.

मैंने जीजा का लंड अपने मुंह से बाहर निकाल लिया तो जीजा बोले- 2 मिनट रुक जाओ नहीं तो मैं तुम्हारे मुंह में ही पानी निकाल दूंगा अभी.

मैंने आशीष से कहा- अब कुछ करो, मुझसे रुका नहीं जा रहा है.

आशीष बने जीजा बोले- हां मेरी डार्लिंग, तो तू मेरी रांड है. आज मैं तुझे सारी रात पटक-पटक कर चोदूंगा. मैं तो पछता रहा हूं कि अब तक तेरी गदराई हुई जवानी पर मेरी नजर गयी क्यों नहीं. सच बता बंध्या, तूने अब तक कितनों से अपनी चूत चुदवाई है. अगर तू सच नहीं बताएगी तो मैं तेरी चुदाई नहीं करूंगा.

मैं बोली- मैंने किसी से भी नहीं चुदवाई जीजा.

वो बोले- साली बता मुझे. नहीं तो मैं तेरी चूत को प्यासी ही छोड़ दूंगा.

जीजा ने मुझे मजबूर कर दिया. मैंने कहा- जीजा, साल भर पहले ही मैंने पहली दफा चुदवाई थी. उसके बाद अब तक केवल तीन बार ही चुदवाई है.

वो बोले- लेकिन ये तो बता कि किससे चुदवाई है ?

मैंने कहा- आशीष से ही चुदवाई है. दूसरे आप हैं जिनसे अब चुदवा रही हूं.

वो बोले- ठीक है कोई बात नहीं. फिर तो मैं तेरी हेल्प कर दिया करूंगा.

मैंने जीजा से सब झूठ ही कहा था क्योंकि उन्होंने मुझे मजबूर कर दिया था.

वो बोले- तू चिंता न कर, आज मैं तेरा यार आशीष हूं और तेरी जम कर चुदाई करूंगा.

मैंने कहा- हां आशीष, अब मुझसे रुका नहीं जा रहा. मेरी चूत को चोद दो.

जीजा ने एक तकिया उठाया और मेरी गांड के नीचे लगा दिया. फिर उन्होंने अपने हाथों में मेरी टांगों को पकड़ लिया.

इधर मैंने फोन पर आशीष से कहा- अब आ जाओ, मेरी चूत को चोद दो. मुझसे रुका नहीं जा रहा है.

वो बोला- तुम बीच में कहां गायब हो जाती हो ?

मैंने कहा- तुमने मेरी ऐसी हालत कर दी है कि मुझसे अब बोला नहीं जाएगा. तुम जल्दी से मेरी चूत की चुदाई शुरू कर दो जानू ...

वो बोला- तुम हो ही इतनी सेक्सी, तुम तो बिल्कुल रंडी लगती हो मुझे.

मैंने कहा- अब देर मत करो और मेरी चूत को चोदो.

जीजा ने मेरी टांगों को चौड़ी किया और अपना लंड मेरी चूत पर लगाते हुए कहने लगे- बता कैसे लेगी मेरा लंड ?

मैंने कहा- आशीष, जैसे तुम्हारा मन करे तुम वैसे चोद दो. मुझे कोई परवाह नहीं है लेकिन अब तुम देर मत करो.

जीजा ने मेरी चूत पर लंड रगड़ा तो मैं कह उठी- आह्ह, आशीष तुम्हारा लंड कितना गर्म

है. मेरी चूत की गर्मी को तुम्हारा यह लौड़ा ही शांत कर सकता है. इसको मेरी चूत में पेल दो मेरे यार आशीष. मैं तुमसे चुदने के लिए तड़प रही हूं.

इधर जीजा ने रियल में ही मेरी चूत पर लंड लगाया और एक जोर का धक्का मारा तो मैं चिल्ला पड़ी- साले हरामी, आराम से लंड डाल, बहुत दर्द हो रहा है.

उधर से आशीष बोला- तू तो एकदम एक्टर निकली मेरी रंडी. तू तो ऐसे बात कर रही है जैसे सच में तेरी चूत में मेरा लंड चला गया हो.

अब आशीष को क्या पता था कि मेरे जीजा का लंड मेरी चूत में उतर गया है और मुझे सच में ही बहुत दर्द हो रहा है.

मैंने कहा- हां आशीष, सच में मुझे बहुत दर्द हो रहा है. आराम से करो. मेरी चूत में सच में तुम्हारा लंड घुसा पड़ा है. तुम्हारा लौड़ा बहुत बड़ा है. इसको एक बार बाहर निकाल लो.

मैंने फोन पर आशीष को संबोधित करते हुए जीजा से लंड बाहर निकालने का इशारा किया.

मगर जीजा ने मेरी जांघों को और चौड़ी फैलाते हुए एक झटका फिर जोर से मारा और मेरी चूत में पूरा लंड घुसा दिया. लंड पूरा चूत में घुसते ही मैं चिल्ला पड़ी. मैंने बेड की चादर को अपने नाखूनों से पकड़ कर नोंचना शुरू कर दिया. जीजा का लंड पूरा मेरी चूत में घुस कर दर्द कर रहा था.

मुझे सच में ही बहुत दर्द हो रहा था और मैं रोने लगी थी. मैंने कहा- छोड़ दे कमीने, मैं मर जाऊंगी. निकाल ले कुत्ते अपने लंड को बाहर.

मैं सच में चिल्लाए जा रही थी और आशीष समझ रहा था कि मैं फोन पर रोने की एक्टिंग कर रही हूं.

वो बोला- तू तो ऐसे कर रही है जैसे सच में ही मेरे लंड ने तेरी चूत को फाड़ दिया हो.

मैंने कहा- हां, सच में ही आशीष, तुम्हारे लंड ने मेरी चूत को फाड़ दिया है. निकाल ले

अपना लंड बाहर. मुझे बहुत दर्द हो रहा है.

अब मैंने फोन को अपने मुंह से दूर करके जीजा से कहा- मुझे सच में बहुत दर्द हो रहा है. मगर जीजा ने अपना शिकंजा मुझ पर और कड़ा कर दिया. वो मेरे दोनों दूधों को पकड़ कर पूरी ताकत के साथ दबाने लगे. मेरे चूचों को नोंचने लगे. काटने लगे. अब वो लंड को अंदर-बाहर करके मेरी चूत में धक्के मारने लगे. वो चोदे जा रहे थे और मैं मचल रही थी. तड़प रही थी.

चार-पांच मिनट के असहनीय दर्द के बाद धीरे-धीरे मेरा दर्द कम होना शुरू हो गया. जीजा अब मुझसे गंदी-गंदी बातें करने लगे थे. गालियां भी देने लगे थे. वो अपने लंड से कस कर धक्के लगा रहे थे. फिर कुछ ही मिनटों में मेरी चूत का दर्द पूरी तरह से गायब सा हो गया. अब एक अजीब सी कसक पूरे बदन में भर गयी थी.

अब मैं मदहोश होने लगी. मेरे मुंह से आह-आह की आवाजें निकलने लगीं. मैंने कहा- और डालो जीजा, बहुत कमीने कुत्ते हो तुम. मैंने उनको गालियां देते हुए कहा. जीजा भी फुल जोश में आ चुके थे.

वो बोले- तू मुझे आशीष कह कर ही बुला क्योंकि तेरा फोन अभी भी चालू है. अगर तेरे यार ने सुन लिया तो वो समझेगा कि तू अपने जीजा से चुद रही है. फिर तुझे दिक्कत हो जायेगी.

जीजा का कहना ठीक था क्योंकि मैं आशीष से प्यार करती थी. मैं उसको ये पता नहीं लगने देना चाहती थी कि मेरी चूत में मेरे जीजा का लंड जा रहा है. मैंने जीजा की बात मान ली और उनको आशीष कह कर ही संबोधित करने लगी.

मैंने फोन उठाकर देखा और बात की तो आशीष बोला- कहां चली गई थी तुम ? चार-पांच

मिनट से तुम्हारी आवाज नहीं आ रही थी.

मैंने कहा- शायद यहां पर फोन में नेटवर्क की दिक्कत हो रही है. इसलिए बीच-बीच में आवाज चली जाती है.

मैं आशीष के सामने जीजा की चुदाई छिपाने के बहाने बनाने लगी और जीजा मेरी चूत को पेलने लगे.

कहानी पर अपनी राय देना न भूलें. आगे मैं बातऊंगी कि जीजा ने मेरी चूत को चोदने के अलावा मेरे साथ और क्या-क्या किया. अगले भागों में आपको पता लगेगा कि मेरे यार ने मेरी चूत को कैसे चोदा. इसके अलावा मेरे साथ और क्या-क्या घटना घटी.

आप नीचे कमेंट करके भी कहानी को सार्थक करें. थैंक्स!

कहानी अगले भाग में जारी रहेगी.

vandhyap13@gmail.com

Other stories you may be interested in

सम्मोहन से पत्नी का कायाकल्प किया

हसबैंड वाइफ पोर्न कहानी में पढ़ें कि मैंने लव मरीज की. शादी से पहले बीवी ने सेक्स नहीं करने दिया था. पर शादी के बाद भी वो ठंडी ही रही. मैं प्यासा रह जाता था. नमस्कार दोस्तो, अन्तर्वासना पर यह [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी विधवा माँम की चुदाई की मस्ती

हॉट विडो सेक्स कहानी मेरी माँम की है जिसे मैंने अपने खास दोस्त से चुदाई करती देखा. मेरी माँम बहुत सेक्सी हैं, मैंने कई बार माँम को नंगी नहाती देखा है. मेरी माँम का नाम सतवंत कौर है. उनकी उम्र [...]

[Full Story >>>](#)

खड़े लंड पे धोखा इसे कहते हैं

बस सेक्स KLPD स्टोरी में पढ़ें कि मैं रात की बस से अपनी गर्लफ्रेंड के पास जा रहा था. बस में मुझे सिक्किम की एक लड़की मिली. उसके साथ मैंने क्या किया और मेरे साथ क्या हुआ ? दोस्तो, मेरा नाम [...]

[Full Story >>>](#)

बाईसेक्सुअल पति ने अपनी बीवी की चूत पेश की- 3

कपल बैड पोर्न डर्टी स्टोरी में पढ़ें कि कैसे एक जोड़े ने मेरे साथ गोवा में गन्दा सेक्स किया. पति गांडू था तो उसकी पत्नी ने उसे मेरा और अपना मूत भी पिलाया. दोस्तो, मैं मानस एक बार फिर से [...]

[Full Story >>>](#)

ट्रेन में बह के धोखे सास चुद गई

स्लीपर ट्रेन सेक्स कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने एक भाभी को सेट किया पर अँधेरे में मैंने उसकी सास को ही चोद दिया. बाद में मैंने उस भाभी को भी चोदा. विश्व में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली अंतर्वासना [...]

[Full Story >>>](#)

